राजस्थान के लोकदेवता

→ राज० के पंचपीर में शामिल लोक० —

गोपा मेहरा
- → रामदेवजी
- → हड़बूजी
- → गोगाजी
- → पाबूजी
- → मेहाजी / मांगलिया जी

अन्य लोकदेवता :- तेजाजी, देवनारायण जी, कल्ला जी, मल्लीनाथ, भूरिया बाबा, ईलोजी, जवाहर जी, डूंगर जी

① रामदेवजी

→ जन्म → उण्डू कासमेर, शिव तह० (बाड़मेर)

→ तिथि → भाद्रपद शुक्ल द्वितीया

→ पिता → अजमाल जी तँवर

→ माता → मैणा दे

→ पत्नी → नेतल दे (अमर कोट (पा०) के राजा सोढ़ासिंह (दलेल सिंह) की पुत्री

→ भाई → वीरमदेव (बलराम जी का अवतार)

→ बहिन → सुगना बाई

→ धर्मबहिन → डाली बाई (मेघवाल समाज की)

→ गुरु → बालीनाथ जी

→ शिष्य → हरजी भाटी

→ शिष्या → आईमाता (बिलाड़ा - जोधपुर)

→ घोड़ा → नीला / लीला (रेंवत)

→ मंदिर → देवरा

→ पंचरंगी ध्वजा → नेजा

→ पंथ → कामड़िया पंथ

→ रात्री जागरण → जम्मा जागरण

→ चमत्कार → पर्चा

→ प्रसिद्ध चिन्ह / प्रतीक → पगल्या

→ पुस्तक → 24 बाणिया

→ छोटा देवरा → गुजरात

→ पैदल यात्री → जातरु

→ मेघवाल समाज के भक्त → रिखिया

→ उपनाम →
1. कृष्ण जी का अवतार
2. पीरो के पीर
3. रामसा पीर
4. अवतारी बाबा
5. रुणिचा रा धणी
6. कुष्ट रोग निवारक लोकदेवता
7. साम्प्रदायिक सद्भावना वाले लोकदेवता

→ रामदेवजी की फड़ का वाचन कामड़ जाति की भोपा के द्वारा रावणहत्था वाद्यपत्र के साथ किया जाता है।

→ रामदेवजी को लोकदेवता मल्लीनाथ जी के द्वारा पोकरण जागीर प्रदान की गई

② **पाबूजी राठौर :-**

→ जन्म → कोलूमण्ड, फलौदी (जोधपुर)

→ तिथि → चैत्र की अमावस्या

→ पिता → धांधल जी राठौड़

→ माता → "कमला दे"

→ पत्नी → सुप्यार दे (फूल दे) (अमरकोट पा०)

→ गुरु → "समरथ भारती"

→ घोड़ी → केसर कालमी

बहिन → सोहन देवी

बहनोई → जिन्दराव खीची

मुँह बोली बहन → देव चारणी

मुख्य मंदिर → ① देचुग्राम (नाथद्वारा)
② फलौदी

मेला → चैत्र की अमावस्या

गीत → पावड़े (माठ व डैरु)

नृत्य → थाली नृत्य

वाद्ययंत्र → रावणहत्था (फड़ के साथ)

मंदिर → मेड़ी

पुस्तक → पाबू प्रकाश
└→ लेखक → आशिया मोड़जी

उपनाम → ① लक्ष्मण जी के अवतार
② 3 1/2 फेरे वाले
③ रेबाड़ी / राईका जाति के आराध्य देव
④ प्लेग रक्षक लोकदेवता
⑤ ऊंटो के लोकदेवता
⑥ गौ रक्षक लोकदेवता
⑦ अफशरा के गर्भ से जन्मा लोकदेवता

भतीजा → रूप नाथ जी

→ पाबूजी के द्वारा राजस्थान में सर्वप्रथम ऊँट लाया गया

→ ऊँट के बीमार होने पर रेबाड़ी जाति के लोग पाबूजी की फड़ का वाचन किया जाता है।

→ पाबूजी अपने बहनोई जिन्दराव खींची से देचु ग्राम जोधपुर मे वीर गति को प्राप्त हुआ। (देवलचारणी की गायो की रक्षा करते हुए)

③ **गोगाजी चौहान :-**

जन्म → ददरेवा (चुरु)

तिथि → भाद्रपद कृष्ण नवमी

पिता → जेवर जी चौहान

माता → बाछल दे

पत्नी → केलण / केलम दे

गुरु → गोरखनाथ जी

घोड़ी → नीली घोड़ी (गोगा बप्पा)

मुख्य मंदिर → गोगामेडी, नोहर तह (हनु०)

मेला → भाद्रपद कृष्ण नवमी

सर्वाधिक थान → खेजड़ी वृक्ष के नीचे

मोसैरे भाई → अरजन - सरजन

उपनाम → नागो के लोकदेवता
नागराज
जाहरपीर (मोहम्मद गजनवी ने उपाद्य)
गोगापीर
गौ रक्षक लोकदेवता

→ गोगाजी अरजन - सरजन, व महमूद गजनवी की सयुक्त सेना से लड़ते हुए वीर गति को प्राप्त हुए

→ गोगाजी का सिर जिस स्थान पर गिरा उसे शिर्षमेडी (पुरा) कहा जाता है। जबकि गोगाजी का धड़ जिस स्थान पर गिरा धुरमेडी (हनु) में गिरा।

→ गोगाजी के मन्दिर का निर्माण फिरोजशाह तुगलक के द्वारा मकबरेनुमा आकृति का ~~किया निर्माण~~ करवाया जिसके मुख्य द्वार पर बिस्मिल्ला शब्द है।

④ मेघ जी / मांगलिया जी

जन्म → तापू गाँव (जोध०)

तिथि → भाद्रपद कृष्ण अष्टमी

पिता → गोपालराज

माता → गायड दे

मुख्य मंदिर → बापणी गाँव (जोधपुर)

मैला → भाद्रपद कृष्ण अष्टमी

घोड़ा → किरड़ - काबरा

बचपन का नाम → मेहराज सांखला

पुजारी → सांखला राजपूत

→ राज० एकमात्र लोकदेवता जिनके पुजारीयों की वंश वृद्धि नहीं होती। वह गोद लेकर के अपने वंश को आगे बढ़ाते है।

⑤ <u>हड़बू जी</u> –

जन्म → भुंडोल गाँव (नागौर)

तिथि → "चैत्र शुक्ल छठ"

पिता → मेहाजी

माता → सोभाग्य देवी

वाहन → सियार

गुरु → बालीनाथ

मोसेर भाई → रामदेवजी

समकालीन → राव जोधा

प्रतीक चिन्ह → बैलगाड़ी

उपनाम → शकुन शास्त्री (भविष्यवाणी करने वाले)
चमत्कारिक लोकदेवता
वचनसिद्ध पुरुष

मुख्य मंदिर → बेंगटी गाँव (जोधपुर)

→ हड़बू जी ने राव जोधा को भेंटस्वरूप कटार दी जबकि राव जोधा ने हड़बू जी को बैलगाड़ी + बेंगटी जागीर प्रदान की।

→ हड़बू जी के मंदिर का निर्माण अजीत सिंह के द्वारा करवाया।

अन्य लोकदेवता :-

① तेजाजी महाराज :-

जन्म → खड़नाल (नागौर)

तिथि → माघ शुक्ल चतुर्दशी

पिता :- लाहड़ जी जाट

माता :- राजकुँवरी (रामकुँवरी)

पत्नी :- पेमल दे (पनेर गाँव रामचन्द्र की पुत्री)

घोड़ी :- लीलण (सिणगारी)

गुरु :- गौसाई नाथ

सर्प दंश स्थान → सेंदरिया गाँव (अजमेर)

मृत्यु स्थान → सुरसुरा गाँव (अजमेर)

कर्मस्थली → बासीदुगारी (बून्दी)

मुख्य मंदिर → परबतसर (नागौर)

मेला → भाद्रपद शुक्ल दशमी

गीत → तेजाटेर

चबूतरे → थान

पुजारी → घोड़ला

वंश → "धौल्या गोत्र" / नागवंशीय जाट

उपनाम → ① सापो के लोकदेवता
② धौल्यावीर

~~विशेष~~ ⇒

③ गौ रक्षक लोकदेवता
④ काला व बाला के लोकदेवता
⑤ सहरिया जन के अराध्य देव
⑥ कृषि कार्यों के उद्धारक देव

विशेष :— तेजाजी लाच्छा गुजरी की गायों की रक्षा करते हुए मेर के मीणाओ से लडते हुए घायल हुए।

→ तेजाजी की मृत्यु का समाचार उनकी घोड़ी लीलण के द्वारा उनके घर पहुंचाया गया

→ तेजाजी पर सन् 2010-11 में पाँच रुपए का डाक टिकट जारी किया गया।

→ तेजाजी के मेले के अवसर पर cm अशोक गहलोत के द्वारा 2019 में सरकारी अवकाश की घोषणा की।

देवनारायण जी :—

जन्म ⇒ मालासेरी आसींद (भीलवाड़ा)

तिथि ⇒ माघ शुक्ल सप्तमी

पिता ⇒ सवाई भोज

माता ⇒ साण्ड माता (सेढू खटाणी)

पत्नी ⇒ पीपल दे (M.P धार के जिले जयसिंह की पुत्री)

पुत्र ⇒ बिला

पुत्री ⇒ बिली

घोड़ा ⇒ लीलागर

बचपन का नाम ⇒ उदयसिंह

मुख्य मंदिर ⇒ आसींद (भीलवाड़ा)

मेला ⇒ माघ शुक्ल सप्तमी → भाद्रपद

वंश ⇒ बागड़ावत गुर्जर

वाद्यपत्र ⇒ जंतर (फड़ का वाचन)

उपनाम ⇒ ① आयुर्वैदिक लोकदेवता
② गुर्जर जाति के आराध्य
③ विष्णु जी के अवतार
④ सबसे लम्बी फड़ वाले लोकदेवता

विशेष ⇒ देवनारायण जी की फड़ सबसे लम्बी सबसे चोड़ी व सर्वाधिक चित्रों वाली फड़ मानी जाती है।

जिस पर 2 सितम्बर 1992 को 5 रु० डाक टिकट जारी किया गया।

सन 2010-11 में देवनारायण जी पर डाक टिकट जारी किया गया।

देवनारायण जी के मेले के अवसर पर 28 जनवरी 2023 को सरकारी अवकाश की घोषणा की।

प्रतिक चिन्ह ⇒ विशाल ईंटों के रूप में

कल्ला जी राठौर ⇒

जन्म ⇒ सामियाना मेड़ता सिटी - नागौर

तिथि ⇒ आश्विन शुक्ल अष्टमी

पिता ⇒ आससिंह

माता ⇒ श्वेता देवी

बुआ ⇒ मीरा बाई

गुरु ⇒ भैरव नाथ जी

छतरी ⇒ भैरवपोल (चित्तौड़)
रनैला (चित्तौड़)
आश्विन

उपनाम ⇒ शेष नाग के अवतार
बालब्रह्मचारी
भूत - प्रेत के लोकदेवता
दो सिर व चार हाथो वाले लोकदेवता

विशेषः- कल्ला जी राठौर 1567-68 में चित्तौड़गढ़ के तीसरे साखे के समय अकबर सेना से लड़ते हुऐं वीरगति को प्राप्त हुऐं।

मल्लीनाथ जीः-

जन्म ⇒ तिलवाड़ा (बालोतरा)

तिथि ⇒ चैत्र कृष्ण एकादशी

पिता ⇒ राव सलरवा

माता ⇒ वाणी जाणी दे

पत्नी ⇒ "रूपा दे"

गुरु ⇒ उगमा सी भाटी

मुख्य मंदिर ⇒ तिलवाड़ा (बालोतरा)

मेला ⇒ चैत्र कृष्ण एकादशी - चैत्र शुक्ल एकादशी

उपनाम ⇒ मालाणी रा धणी
चेचक दे लोकदेवता
मारवाड़ क्षेत्र के प्रसिद्ध लोकदेवता
सबसे प्राचीन पशु मेला वाले लोकदेवता

विशेषः— मल्लीनाथ जी ने रामदेवजी को पोकरण जागीर प्रदान की।

★ मल्लीनाथ जी कुण्डी पंथ की स्थापना की।

भूरिया बाबा / गोतमेश्वर जी :—

मुख्य मंदिर ⇒ ① अरनोद – प्रतापगढ़
② सिरोही
③ पाली

मेला ⇒ वैशाख की पूर्णिमा
कुलदेवता ⇒ मीणा ज० की
उपनाम ⇒ शौर्य का प्रतीक

विशेषः— मीणा जनजाति के लोग भूरिया बाबा की शराब का प्याला पीकर कभी झूठ नहीं बोलते।

राज० के एकमात्र लोकदेवता जिनके मंदिर मे पर्दा पहनकर जाना अवैध है।

मामादेव —

मुख्य मंदिर ⇒ आखीर गाँव (जालौर)

प्रतीक चिन्ह ⇒ तोरण के रूप में पूजा

बलि ⇒ भैंसा की बलि

उपनाम ⇒ ① बरसात के लोकदेवता
② खारा मामा

तल्लीनाथ जी —

मुख्य मंदिर ⇒ ① पांचोटा गाँव (जालौर)
② जोधपुर

प्रतीक चिन्ह ⇒ ओरण

ईलोजी —

मुख्य मंदिर ⇒ बाड़मेर

सवारी ⇒ चैत्र कृष्ण एकम्

प्रेमिका ⇒ होलिका

नृत्य ⇒ ईला - ईली नृत्य

उपनाम ⇒ ढेड झाड के लोकदेवता
अनोखे लोकदेवता
नग्न अवस्था में पूजे जाने वाले लोकदेवता

NOTE ⇒ रूपनाथ जी को हिमाचल प्रदेश में बालकनाथ के रूप में पूजा जाता है।

जवारजी डूगर जी →

मुख्य मंदिर ⇒ बाटोठ गाँव पाटोदा (जोधपुर)

उपनाम ⇒ लुटेरे लोकदेवता
1857 की क्रांति के लोकदेवता
शेखावाटी क्षेत्र के लोक देवता

विशेष ⇒ यह लोकदेवता अमीरों का धन लूटकर गरीबों को बांटते थे।

राजस्थान की लोकदेवियां

देवी का नाम	मुख्यमंदिर	उपनाम
करणी माता	देशनोक (बीकानेर) मंदिर ⇒ "मठ" सफेद चूहे ⇒ "काबा"	चूहे वाली देवी सफेद चील का अवतार दाढी-मूछ वाली देवी बोदरी माता लेग रक्षक देवी कुलदेवी ⇒ चारण जाति की आराध्यदेवी ⇒ बीकानेर के राठौड़ो की देवी
सीतलामाता	शील डूंगरी, चाकसू (जयपुर)	⇒ वाहन ⇒ गधा चरणामृत ⇒ रा + जल कुलदेवी ⇒ कुम्हारो की उपनाम गधो वाली देवी चेचक की देवी बच्चो की संरक्षिका महामाया सेढ़ल माता बैलगाड़ी के मेले वाली देवी
आईमाता	बिलाड़ा (जोधपुर) मंदिर ⇒ दरगाह थान ⇒ बढ़ेर कुलदेवी ⇒ सीरवी जाति	जीजी बाई / मानी बाई (बचपन नाम) ⇒ जोत से केसर टपकते है।

जीण माता

रैवासा (सीकर)
पहाड़ी – हर्ष
कुलदेवी ⇒ सीकर के
चौहान की
गीत ⇒ "चीरजा"

प्रेम की देवी
मधुमक्खियों की देवी
2½ प्याला शराब वाली देवी
बकरों की कानों की
बलि लेने वाली
सबसे लम्बी
गीतों वाली देवी